प्रश्न: सोलोमन के मंदिर के अंदर दीपस्तंभ (लैम्पस्टैंड)
क्या प्रतीक था?

उत्तर:

सोलोमन के मंदिर में सोने का दीपस्तंभ, सर्वसम्मति का पिटारा (Ark of the Covenant), और सोने का धूपबत्ती वेदी जैसी पवित्र वस्तुएँ थीं। ये सिर्फ सजावट नहीं थीं—इनमें गहरा आध्यात्मिक अर्थ था। खास तौर पर दीपस्तंभ पर ध्यान दें: यह क्या दर्शाता था?

1. परमेश्वर की उपस्थिति और प्रकाश का प्रतीक

जैसे किसी घर में प्रकाश न हो तो अंधकार होता है, वैसे ही परमेश्वर का घर कभी अंधकार में नहीं होना चाहिए था। जब परमेश्वर ने मूसा को मण्डप (Tabernacle) बनाने के लिए निर्देश दिए, तो उन्होंने कहा कि सात शाखाओं वाला दीपस्तंभ (मेनोरा) हमेशा जलता रहे।

निर्गमन 25:37 (HCB)
“और उसके सात दीपक बनाना; और उनके दीपक जलाना, ताकि वे उसके सामने प्रकाश दें।”

प्रश्न: सोलोमन के मंदिर के अंदर दीपस्तंभ (लैम्पस्टैंड)
क्या प्रतीक था?

लेवी 24:2 (HCB)
“इस्राएलियों से कहो कि वे साफ तेल लेकर आएँ, ताकि दीपक
निरंतर जलते रहें।”

यह प्रकाश केवल भौतिक नहीं था; यह परमेश्वर की सतत उपस्थिति और लोगों के बीच आध्यात्मिक प्रकाश का प्रतीक था।

2. मण्डप से मंदिर तक: महिमा का विस्तार

सोलोमन का मंदिर मण्डप से बहुत बड़ा और भव्य था। इसे अधिक दीपस्तंभों की आवश्यकता थी। बाइबल बताती है कि मंदिर में दस सोने के दीपस्तंभ रखे गए, प्रत्येक में सात-से-सा दीपक थे, कुल मिलाकर सत्तर दीपक:

2 इतिहास 4:7 (HCB)
“और उसने दस सोने के दीपस्तंभ बनाए और उन्हें मंदिर में रखा, पाँच दाहिनी ओर और पाँच बायीं ओर।”

इस अत्यधिक प्रकाश ने केवल परमेश्वर की उपस्थिति नहीं दिखाई, बल्कि यह इस्राएल की पूजा और समझ में परमेश्वर की महिमा के

प्रश्न: सोलोमन के मंदिर के अंदर दीपस्तंभ (लैम्पस्टैंड)
क्या प्रतीक था?

विस्तार का प्रतीक भी था।

3. चर्च (कलीसिया) का प्रतीक – संसार का प्रकाश

नए नियम में, यीशु दीपस्तंभ के गहरे आध्यात्मिक अर्थ को बताते हैं:

मत्ती 5:14–16 (HCB)
“तुम संसार का प्रकाश हो। पहाड़ी पर स्थित नगर छुपाया नहीं
जा सकता। वैसे ही तुम्हारा प्रकाश दूसरों के सामने चमकाओ,
ताकि वे तुम्हारे अच्छे कर्म देखें और तुम्हारे पिता की
महिमा करें।”

ईसाई लोग परमेश्वर का प्रकाश संसार में फैलाने के लिए बुलाए गए हैं। जैसे मंदिर का दीपस्तंभ भौतिक रूप से मंदिर को रोशन करता था, वैसे ही विश्वासियों को मसीह की सच्चाई और प्रेम से संसार को प्रकाशित करना है।

प्रकाशितवाक्य 1:20 (HCB)

प्रश्न: सोलोमन के मंदिर के अंदर दीपस्तंभ (लैम्पस्टैंड)
क्या प्रतीक था?

“जो सात दीपस्तंभ तूने देखा, वे सात चर्च हैं।”

इसलिए मंदिर का दीपस्तंभ नए नियम में चर्च का प्रतीक है। चर्च परमेश्वर का आध्यात्मिक घर है, और उसके सदस्य दीपक हैं, जो संसार के अंधकार में चमकते हैं (फिलिपियों 2:15)।

4. प्रकाश कभी बुझना नहीं चाहिए – विश्वास का बुलावा

पुराने नियम में, परमेश्वर ने आदेश दिया कि दीपक कभी न बुझें:

लेवी 24:3 (HCB)
“यहाँ तक कि स्वर्ण के शुद्ध दीपस्तंभ पर दीपक निरंतर जलते रहें।”

यह हमें सिखाता है कि हमारा आध्यात्मिक प्रकाश कभी बुझना नहीं चाहिए। हमें हमेशा धर्मी रहना चाहिए, सत्य में चलना चाहिए, और पवित्र आत्मा के द्वारा फल देना चाहिए। यीशु ने चेतावनी दी कि जो विश्वासियों के दीपक बुझ जाते हैं, वे लापरवाही और समझौते के कारण हैं (मत्ती 25:1–13)।

प्रश्न: सोलोमन के मंदिर के अंदर दीपस्तंभ (लैम्पस्टैंड)
क्या प्रतीक था?

जब ईसाई पाप में रहते हैं—जैसे झूठ बोलना, घृणा, व्यभिचार या पाखंड—फिर भी मसीह का प्रतिनिधित्व करने का दावा करते हैं, तो वे धुंधले या गंदे दीपक की तरह बन जाते हैं, जो परमेश्वर का शुद्ध प्रकाश नहीं फैलाते।

1 यूहन्ना 1:6 (HCB)
“यदि हम कहें कि हम उसके साथ हैं, और फिर भी अंधकार में चलते हैं, तो हम झूठ बोलते हैं और सत्य का पालन नहीं करते।”

परमेश्वर अपने लोगों को बुला रहे हैं कि वे स्पष्ट और विश्वासपूर्वक चमकें, बिना मिश्रण के।

निष्कर्ष

सोलोमन के मंदिर का दीपस्तंभ केवल भौतिक प्रकाश का स्रोत नहीं था। यह परमेश्वर की उपस्थिति, पवित्रता और सत्य का प्रतीक था। नए नियम में, यह चर्च—सच्चे विश्वासियों के समुदाय—की ओर इशारा करता है, जिन्हें संसार का प्रकाश बनने के लिए बुलाया गया है (मत्ती 5:14)।

जैसे मंदिर के दीपक हमेशा जलते रहते थे, वैसे ही हमारा

प्रश्न: सोलोमन के मंदिर के अंदर दीपस्तंभ (लैम्पस्टैंड)
क्या प्रतीक था?

आध्यात्मिक जीवन हमेशा मसीह की झलक दिखाए। हमारा विश्वास, प्रेम और पवित्रता तेल की तरह हैं जो हमारे दीपकों को जलाए रखते हैं।

फिलिपियों 2:15 (HCB)
“ताकि तुम जीवन के वचन को दृढ़ पकड़ कर आकाश में तारे की तरह उनमें चमको।”

ईश्वर हमें अनुग्रह दें कि हम इस अंधकारमय संसार में लगातार उज्ज्वल चमकते रहें—जैसे उसके मंदिर के दीपक कभी नहीं बुझते।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp